# लोक-सभा वाद-विवाद
# का
# संक्षिप्त अनूदित संस्करण

# SUMMARISED TRANSLATED VERSION
# OF
# 5th
# LOK SABHA DEBATES

[ पाँचवां सत्र
Fifth Session ]

[ खंड 17 में अंक 1 से 10 तक हैं
Vol.XVII contains Nos. 1 to 10 ]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

PLS.48.XVII.5.72.(N)
490

© 1966 प्रतिलिप्याधिकार लोक-सभा सचिवालय को प्राप्त ।

लोक-सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों (पांचवां संस्करण)
के नियम 379 और 382 के अन्तर्गत प्रकाशित और व्यवस्थापक,
भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक द्वारा मुद्रित ।

© 1966 BY LOK SABHA SECRETARIAT

PUBLISHED UNDER RULES 379 AND 382 OF THE RULES OF PROCEDURE AND CONDUCT OF BUSINESS IN LOK SABHA (FIFTH EDITION) AND PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, NASIK.

यह लोक सभा-वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी/हिन्दी में दिये गए भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है ।

This is translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. in English /Hindi]

## लोक-सभा
## LOK SABHA

लोक सभा ग्यारह बजे समवेत हुई मंगलवार, 6 जुलाई, 1971/15 आषाढ़, 1893 (शक)
**The Lok Sabha met at Eleven of the Clock Monday, August 7, 1971/Sravana 16,1894 (Saka)**

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)
[ Mr. Speaker *in the Chair* ]

## निधन संबंधी उल्लेख
## OBITUARY REFERENCE

**अध्यक्ष महोदय** : माननीय सदस्यगण, मुझे श्री ईश्वर मरंडी के दुखद निधन का समाचार सभा को देना है । उनका 54 वर्ष से भी कम आयु में नई दिल्ली में आज प्रातःकाल देहावसान हो गया ।

श्री मरंडी लोकसभा के निवर्तमान सदस्य थे तथा बिहार के राजमहल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे । वह वर्ष 1962–70 तक तीसरी और चौथी लोकसभा के भी सदस्य रहे थे । वह सभा कि बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति के सदस्य थे । श्री मरंडी ने सभा की कार्यवाहियों, विशेषकर सभा में पिछड़े वर्ग तथा पिछड़ी जन जातियों के उत्थान और उनकी समस्याओं पर चर्चा के समय सक्रिय रुचि दिखाई थी । उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में हरिजनों और दलित वर्गों के कल्याण के लिए बहुत कार्य किया था । वह बड़े सक्रिय सदस्य थे तथा बिहार के विभिन्न सामाजिक शैक्षिक और कल्याणकारी संस्थाओं से उनका सम्बन्ध रहा है ।

हम अपने मित्र के निधन पर भारी शोक व्यक्त करते हैं और मुझे आशा है कि शोक संतप्त परिवार को संवेदना भेजने में सभा मेरे साथ है ।

**प्रधान मंत्री, परमाणु उर्जा मंत्री, इलैक्ट्रनिक्स मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री तथा अंतरिक्ष मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गान्धी)** : अध्यक्ष महोदय हमारे सहयोगी श्री ईश्वर मरंडी के दुखद और अचानक निधन पर आप ने जो संवेदनाएं व्यक्त की है, उसमें मैं और यह सभा शामिल होती है ; वे कुछ दिनों से बीमार थे परन्तु मृत्यु का आगमन हमेशा अचानक और शोकपूर्ण होता है ।

श्री मरंडी इस सभा के जाने माने व्यक्ति थे। वह वर्ष 1962 से सभा के सदस्य थे । वे संथाल परगना के आदिमजाति क्षेत्र से आए थे और स्वयं अनुसूचित जाति से संबंध रखते थे। उन्होंने अपने जिले के विकास संबंधी कार्यों में सक्रिय भाग लिया था तथा वह कई संगठनों और समितियों से संबंधित थे। अपने लोगों के लिए शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार करने में उनकी विशेष रुचि थी । उन्होंने एक हाई स्कूल, किसान लायब्रेरी और कई प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना की। उनकी अन्य कई

कार्यों में भी रुचि थी । क्या मैं शोकाकुल परिवार के सदस्यों को हमारी हार्दिक सहानुभूति और शोक संवेनदाए पहुंचाने के लिए आपसे अनुरोध कर सकती हूं ?

**श्री समर मुखर्जी** (हावड़ा) : श्री ईश्वर मरंडी के अचानक निधन पर व्यक्त किए गए शोक में मैं अपने दल की ओर से शामिल होता हूं ।

श्री ईश्वर मरंडी के सामाजिक जीवन और उनके द्वारा पिछड़ी जातियों और अनुसूचित आदिम-जातियों के लिए किए गए कार्यों के विवरण से यह सुस्पष्ट है कि उनका निधन अनुसूचित जातियों और पिछड़ी जातियों के लिए भारी क्षति सिद्ध होगा । मैं आपसे शोकाकुल परिवार को हमारी संवेदनाए पहुंचाने का अनुरोध करता हूं ।

**श्री सेझियान** (कुम्बकोणम) : श्री ईश्वर मरंडी के अचानक निधन पर यहां व्यक्त किए गए शोक में मैं अपने दल की ओर से शामिल होता हूं ।

श्री मरंडी वर्ष 1962 से इस सभा के सदस्य थे और मुझे उनके संपर्क में आने तथा उनसे कई समस्याओं पर चर्चा करने के बहुत से अवसर प्राप्त हुए । वे बहुत सक्रिय तथा उत्साही संसदक्ष थे, जिन्होंने अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिमजातियों और पिछड़े वर्गों के उत्थान में पर्याप्त रुचि दिखाई , यह बताया गया है कि उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया था और कुछ समय से वह बेहोशी की हालत में थे अंतिम समय तक यह आशा थी कि उनका स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा और वह सभा की कार्यवाही में हमारा साथ देगें परन्तु मृत्यु को कुछ और ही मंजूर था । मेरा आपसे अनुरोध है कि आप हमारी हार्दिक संवेदना शोकाकुल परिवार के सदस्यों तक पहुंचा दें ।

**श्री एम० कल्याणसुन्दरम्** (तिरुचिरापल्ली) : श्री ईश्वर मरंडी के अचानक निधन पर आप तथा माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त किए गये संवेदनाओं के साथ मैं अपने दल की ओर से शामिल होता हूं । यह अत्याधिक दुख की बात है कि इतने कम समय के अन्दर हमें एक और निवर्तमान सदस्य को खोना पड़ा है मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप मेरे दल की ओर से हार्दिक संवेदनाए शोकाकुल परिवार तक पहुंचा दें ।

**Shri Hukum Chand Kachwai** (Morena) : I associate myself with the sentiments of sorrow expressed in this House. Shri Ishwar Marandi had been an active Member of this House since 1962. His ideas will guide many Members. He was concerned with the upliftment of the backward classes. I pray to God for peace to the departed soul and request you to convey on behalf of my party also our deep condolences to the bereaved family.

**Shri Shyamnandan Mishra** (Begusarai) : We all are shocked at the sad demise of Shri Ishwar Marandi. He was only 53 or 54 years old. We had great hopes from him. We received the news only three or four days ago that he was suffering from a fatal disease. This was causing great anxiety to us, but we had a lingering hope that he might recover. However, our hope proved to be futile.

He was an important social and political worker among the Scheduled castes of our province. He took keen interest in developmental work particularly in the field of agriculture, Co-operation and education etc. He was a man of a balanced mind and a calm and good nature. His absence in the House will be deeply felt. I on behalf of my party. Pray to God to bestow peace upon the departed soul and request you to convey our deep condolences to his bereaved family.

**प्रोफेसर मधु दंडवते** (राजापुर) : मैं समाजवादी दल की ओर से अपने सहयोगी श्री ईश्वर मरंडी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता हूं । वे समाज के दलित वर्ग और पिछड़े वर्ग के हितों के मुखर प्रवक्ता थे, मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि आप शोकाकुल परिवार के सदस्यों को हमारी संवेदानएं पहुंचा दें ।

**अध्यक्ष महोदय** : सदन अपना शोक प्रकट करने के लिए कुछ समय तक मौन खड़ा होगा ।

तत्पश्चात् सदस्यगण कुछ देर मौन खड़े रहे ।

(The members then stood in silence for a short while).

**अध्यक्ष महोदय** : दिवंगत आत्मा के प्रति आदर प्रकट करने और अंत्येष्टि क्रिया में सदस्यों को उपस्थित होने का अवसर देने के लिए सभा कल 11 बजे म० पू० तक के लिए स्थागित होती है । इसके पश्चात् लोक सभा मंगलवार 8 अगस्त, 1972/17 श्रावण, 1894 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थागित हुई ।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the clock on tuesday the 8th August 1972/Sravna 17, 1894 (Saka).

MGIPRRND—40 LSS/72—Sec. IV—7-9-72—490.